फिलिस्तीन के प्रति भारत का निरंतर दीर्घकालिक रुख

समर्थन : भारत ने न्यूयॉर्क घोषणा पत्र के पक्ष में मतदान किया

यरुशलम, 29 सितंबर. फिलिस्तीन के प्रति भारत की नीति दीर्घकालिक है और इसे सभी दलों का समर्थन प्राप्त है.

भारत ने हमेशा से बातचीत पर आधारित द्वि-राष्ट्र समाधान का समर्थन किया है, जिसके तहत एक संप्रभु, स्वतंत्र और व्यवहार्य फिलिस्तीन राष्ट्र की स्थापना की हो, जो सुरक्षित और मान्यता प्राप्त सीमाओं के भीतर, इजराइल के साथ शांतिपूर्ण, भारत 1974 में पीएलओ को फिलिस्तीनी जनता के एकमात्र और वैध प्रतिनिधि के रूप में मान्यता देने वाले शुरुआती गैर-अरब देशों में से एक था और 1988 में फिलिस्तीन राष्ट्र को मान्यता देने वाले पहले देशों में से एक था. हम द्वि-राष्ट्र समाधान पर

उच्च स्तरीय सम्मेलन का हिस्सा थे, और हाल ही में 12 सितंबर 2025 को भारत ने न्यूयॉर्क घोषणा पत्र के पक्ष में मतदान किया, जो फिलिस्तीन के मसले के शांतिपूर्ण हल और द्वि-राष्ट्र समाधान के कार्यान्वयन पर सऊदी अरब और फ्रांस की सह-अध्यक्षता में आयोजित उच्च स्तरीय सम्मेलन का परिणाम दस्तावेज है.

7 अक्टूबर, 2023 के बाद से भारत का निरंतर शांति के लिए आह्वान- आतंकवाद की निंदा, मानवीय सहायता की वकालत वर्तमान संघर्ष में, भारत ने 7 अक्टूबर 2023 को इज़राइल पर हमास के आतंकवादी हमलों और इज़राइल-हमास संघर्ष में हुई नागरिकों की मौतों की कड़ी निंदा की है.

> भारत सुरक्षा स्थिति को लेकर चिंतित बना हुआ है और उसने संघर्षविराम, सभी बंधकों की रिहाई और बातचीत एवं कूटनीति के माध्यम से संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान का आह्वान किया है. साथ ही, भारत ने फलिस्तीन जनता को मानवीय सहायता की सुरक्षित, समयबद्ध और निरंतर आपूर्ति की आवश्यकता पर भी बल दिया है. भारत ने यह भी दोहराया है कि इज़राइल और फिलिस्तीन को करीब लाने से प्रत्यक्ष शांति वार्ता की शीघ्र बहाली के लिए परिस्थितियां बनाने में मदद मिलेगी. बिल्कुल नहीं. फिलिस्तीन के प्रति भारत का दीर्घकालिक रुख स्पष्ट और निरंतर रहा है. इसकी झलक संयुक्त राष्ट्र में उसके मतदान पैटर्न में भी मिलती है. दरअसल, भारत ने पिछले 10 वर्षों में संयुक्त राष्ट्र में इज़राइल-फ़िलिस्तीन मुद्दे पर 175 प्रस्तावों में से किसी के भी ख़िलाफ़ मतदान नहीं किया है. फ़िलिस्तीनी जनता के लिए भारत की प्रतिबद्धता- द्विपक्षीय और संयुक्त राष्ट्र के माध्यम से निरंतर विकास सहायता भारत फ़िलिस्तीनी जनता को द्विपक्षीय रूप से और निकट पूर्व में शरणार्थियों के लिए संयुक्त राष्ट्र राहत से मानवीय सहायता प्रदान करता है. हम यूएनआरडब्ल्यूए को 5 मिलियन डॉलर का सालाना योगदान देते हैं.

आरबीआई रेपो रेट रख सकता है स्थिर : रिपोर्ट

मौद्रिक नीति समिति में विकास और वैश्विक जोखिमों पर संतुलन की तैयारी

अगस्त में उपभोक्ता मूल्य मुद्रास्फीति बढ़कर 2.07% पर

नई दिल्ली, 29 सितंबर.एक नई रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय रिजर्व बैंक अपनी आगामी मौद्रिक नीति समिति की बैठक में रेपो रेट को 5.50 प्रतिशत पर स्थिर बनाए रख सकता है.

यह फैसला मुख्य रूप से महंगाई दर के नियंत्रण में रहने और विकास दर के मोर्चे पर बढ़ते वैश्विक जोखिमों के बीच संतुलन बनाने की आवश्यकता से प्रेरित है.रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत में उपभोक्ता मूल्य मुद्रास्फीति अगस्त में हल्की बढ़कर 2.07 प्रतिशत हो गई, जबकि जुलाई में यह 1.61 प्रतिशत थी. हालांकि, यह वृद्धि दस महीने से जारी महंगाई में कमी की प्रवृत्ति को तोड़ती है, लेकिन मुद्रास्फीति अभी भी आरबीआई के 4 प्रतिशत के लक्ष्य से काफी नीचे और अनुमत सीमा के भीतर बनी हुई है.

जानकारों का मानना है कि खाद्य कीमतों में हुई वृद्धि के कारण यह उछाल आया, लेकिन सरकार द्वारा किए गए हालिया जीएसटी सुधारों के चलते आने वाले महीनों में खुदरा कीमतों में कमी आ सकती है.

रिपोर्ट में कहा गया है कि केंद्रीय बैंक अपने दिशानिर्देशों में तटस्थ रुख बनाए रख सकता है. आरबीआई आर्थिक विकास को समर्थन देने की अपनी प्राथमिकता और कीमतों को स्थिर रखने की आवश्यकता के बीच संतुलन साधने की कोशिश करेगा.

विकास के मोर्चे पर सरकारी खर्च का सहारा

विकास दर के संदर्भ में, भारतीय अर्थव्यवस्था ने जून तिमाही में उम्मीद से बेहतर 7.8 प्रतिशत की मजबूत वार्षिक वृद्धि दर्ज की. रिपोर्ट के अनुसार, यह वृद्धि मुख्य रूप से सरकारी खर्च से समर्थित थी, जबकि निजी निवेश अभी भी कमजोर बना हुआ है. हालांकि, रिपोर्ट ने चेतावनी दी है कि वैश्विक दबाव, जिसमें अमेरिकी व्यापार टैरिफ और भू-राजनीतिक तनाव शामिल हैं.

सैमसंग हैवी इंडस्ट्रीज ने भारत में रखा कदम

- **गुजरात स्थित स्वान डिफेंस एंड हैवी इंडस्ट्रीज संग साझेदारी होगी**
- **भारत सरकार की स्थानीय जहाज निर्माण पहल को मिलेगा कोरियाई सहयोग**

नई दिल्ली, 29 सितंबर.कोरियाई जहाज निर्माण कंपनी सैमसंग हैवी इंडस्ट्रीज ने सोमवार को भारतीय जहाज निर्माण उद्योग में अपनी आधिकारिक एंट्री की घोषणा की है.

यह प्रवेश गुजरात स्थित स्वान डिफेंस एंड हैवी इंडस्ट्रीज के साथ साझेदारी के माध्यम से हुआ है. यह कदम भारत सरकार की स्थानीय जहाज निर्माण को बढ़ावा देने की महत्वाकांक्षी पहल में कोरिया की बड़ी भागीदारी को मजबूत करेगा.

एक रिपोर्ट के अनुसार, इस साझेदारी के तहत, दोनों कंपनियों ने जहाज निर्माण में इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट और प्रबंधन सहित समुद्री परियोजनाओं की एक विस्तृत श्रृंखला में सहयोग की संभावनाओं पर सहमति व्यक्त की है.स्ष्ठ॥ढ्ढ भारत का सबसे बड़ा शिपयार्ड है, जिसकी देश की कुल जहाज निर्माण क्षमता में 30 प्रतिशत हिस्सेदारी है. यह राष्ट्र के सबसे बड़े ड्राई डॉक का संचालन करता है, जो अत्यंत बड़े क्रूड कैरियर और अन्य समुद्री सुविधाओं के निर्माण में सक्षम है.

2047 तक शीर्ष 5 देशों में शामिल होने का लक्ष्य

भारतीय सरकार का लक्ष्य 2047 तक दुनिया के शीर्ष पांच जहाज निर्माण राष्ट्रों में से एक बनना है और अगले दशक के भीतर 1,000 वाणिज्यिक जहाजों को सुरक्षित करना है. इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए, भारत कोरियाई जहाज निर्माताओं को स्थानीय स्तर पर उत्पादन के लिए आकर्षित कर रहा है. पिछले साल दिसंबर में, पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय के उच्च पदस्थ भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने जहाज निर्माण में सहयोग पर चर्चा करने के लिए सैमसंग हैवी इंडस्ट्रीज की जियोजे सुविधा सहित प्रमुख कोरियाई शिपयार्ड का दौरा किया था.

जीएसटी कटौती से जनता के हाथों में आएगा अतिरिक्त धन

मंत्री ने कहा, राजस्व घाटा नहीं बल्कि जनता को दी गई राहत है उद्देश्य

सुधारों के बाद कर अदायगी घटकर आठ से नौ प्रतिशत रहने का अनुमान

इंदौर, 29 सितंबर.वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने सोमवार को विश्वास जताया कि माल एवं सेवा कर (जीएसटी) प्रणाली में हालिया सुधारों से आम लोगों के हाथों में अतिरिक्त धन आएगा, जिससे बाजार में खरीद बढ़ेगी और देश की घरेलू अर्थव्यवस्था को रफ्तार मिलेगी.

इंदौर में स्थानीय कारोबारियों, उद्यमियों और कर विशेषज्ञों के साथ संवाद करते हुए चौधरी ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मानना है कि जीएसटी सुधारों से आम लोगों के हाथों में जब अतिरिक्त धन आएगा, तो इससे बाजार में निश्चित तौर पर खरीद बढ़ेगी और हमारी अर्थव्यवस्था रफ्तार पकड़ेगी.

जीएसटी दर में कटौती से जनता को लाभ- चौधरी ने करों के बारे में विशिष्ट जानकारी दिए बिना जीएसटी के प्रभावों की तुलना पूर्ववर्ती कर प्रणाली से की. उन्होंने अनुमान व्यक्त किया कि 2017 में जीएसटी लागू होने के बाद प्रभावी कर अदायगी 15 प्रतिशत से घटकर 11 से 11.50 प्रतिशत के बीच रह गई है.उन्होंने आगे कहा कि जीएसटी सुधारों का पूर्ण असर दिखने में चार-छह महीने लग सकते हैं, लेकिन अनुमान है कि यह कर अदायगी और घटकर आठ से नौ प्रतिशत रह जाएगी.

राजस्व घटने की आशंका से जुड़े सवालों पर मंत्री ने स्पष्ट किया कि सरकार का काम केवल राजस्व इकट्ठा करना नहीं है, बल्कि आम जन को राहत देना भी है.उन्होंने कहा, इसे (जीएसटी सुधारों को) हम राजस्व घाटा नहीं कहेंगे. हमने इसके जरिए जनता को लाभ प्रदान किया है. उन्होंने भरोसा जताया कि जीएसटी कटौती से होने वाली बचत के माध्यम से आम लोगों के हाथों में अतिरिक्त धन आने से बाजार में खरीद बढ़ेगी, जिससे अर्थव्यवस्था में वृद्धि होगी.

संप्रग सरकार पर साधा निशाना

वित्त राज्य मंत्री ने जीएसटी प्रणाली लागू करने के प्रयासों को याद करते हुए कांग्रेस के नेतृत्व वाली संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार पर भी निशाना साधा. उन्होंने कहा कि संप्रग सरकार को जीएसटी प्रणाली पेश करने में सफलता नहीं मिल रही थी क्योंकि लोगों को उस सरकार पर विश्वास नहीं था.चौधरी ने आरोप लगाया कि पूर्ववर्ती सरकार के शासन के दौरान कर प्रणाली में अलग-अलग गड़बड़ियां होती थीं और उद्योग-व्यापार जगत को कई झंझटों का सामना करना पड़ता था.कार्यक्रम के अंत में, चौधरी ने कारोबारियों और विशेषज्ञों से विस्तृत संवाद के बाद कहा कि उनके सुझावों पर सरकार और जीएसटी परिषद के जरिए विचार किया जाएगा.

तेजी में खुले शेयर बाजार

बैंकिंग फार्मा आईटी में लिवाली

मुंबई, 29 सितंबर. विदेश से मिले मिश्रित संकेतों के बीच घरेलू शेयर बाजारों में सोमवार को तेजी देखी गई और बैंकिंग, फार्मा तथा आईटी सेक्टर के शेयरों में निवेशकों ने लिवाली की.

बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 162.×1 अंक की तेजी के साथ 80,588.77 अंक पर खुला. खबर लिखे जाते समय यह 282.×6 अंक (0.35) प्रतिशत ऊपर 80,708.82 अंक पर था. इसी प्रकार नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का नि टी 50 सूचकांक भी 73.75 अंक चढ़कर 24728.55 अंक पर खुला. खबर लिखे जाते समय यह 85.95 अंक यानी 0.35 प्रतिशत की तेजी के साथ 24,740.45 अंक पर कारोबार कर रहा था. सरकारी बैंकों, फार्मा, स्वास्थ्य, धातु, आईटी और तेल एवं गैस क्षेत्र के शेयरों में तेजी देखी गई. सेंसेक्स की कंपनियों में एचडीएफसी बैंक, इंफोसिस, रिलायंस इंडस्ट्रीज, इटरनल, बीईएल और सन फार्मा के शेयरों में तेजी रही.

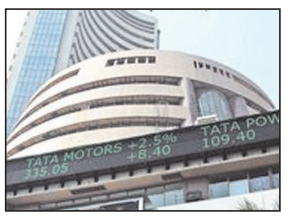

वहीं एक्सिस बैंक, एलएंडटी और हिंदुस्तान यूनीलिवर के शेयर गिरावट में चल रहे थे.

भारतीय यात्रियों के लिए उड़ान शुरू करेगी स्पाइसजेट

नयी दिल्ली, 29 सितंबर. किफायती विमान सेवा कंपनी स्पाइसजेट दिल्ली और मुंबई से थाईलैंड के सबसे बड़े द्वीप फुकेट के लिए दैनिक नॉन-स्टॉप उड़ान शुरू करेगी.

दिल्ली से फुकेट के लिए उड़ान ×1 अक्टूबर से और मुंबई से 6 नवंबर से शुरू होगी. थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक के लिए वह पहले से सेवा प्रदान कर रही है. स्पाइसजेट के मु य व्यवसाय अधिकारी देबोजो महर्षि ने कहा, हम दुनिया के सबसे लोकप्रिय अवकाश स्थलों में से एक, फुकेट को अपने बढ़ते अंतर्राष्ट्रीय नेटवर्क में शामिल करके उत्साहित हैं. दिल्ली और मुंबई से नॉन-स्टॉप उड़ानों के साथ स्पाइसजेट भारतीय यात्रियों के लिए थाईलैंड के प्राचीन समुद्र तटों, जीवंत संस्कृति और गर्मजोशी भरे आतिथ्य का आनंद लेना पहले से कहीं अधिक आसान बना रहा है. यह विस्तार किफायती किरायों पर अधिक अंतर्राष्ट्रीय विकल्प और निर्बाध कनेक्टिविटी प्रदान करने की हमारी प्रतिबद्धता की भी पुष्टि करता है. फुकेट अपने शानदार समुद्र तटों, सफेद रेत और गर्म, साफ पानी के लिए प्रसिद्ध है.

व्यापार प्रदर्शनी ने दिखायी मज़बूत व्यावसायिक संभावना : फियो

नई दिल्ली 29 सितंबर.ग्रेटर नोएडा में आयोजित उत्तर प्रदेश अंतरराष्ट्रीय व्यापार प्रदर्शनी-2025 में राज्य की मज़बूत व्यावसायिक संभावनाएं दिखी हैं और इसमें 1000 से अधिक एमओयू हस्ताक्षरित किये गये हैं. निर्यातकों के शीर्ष संगठन फियो ने रविवार को एक विज्ञप्ति में बताया कि प्रदर्शनी के चौथे दिन तक 400 करोड़ रुपये की व्यापारिक पूछताछ दर्ज की गई थी. इस प्रदर्शनी में अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, ब्राज़ील, कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, इंडोनेशिया, इटली, जापान, मेक्सिको, रूस, सऊदी अरब सहित 88 देशों की भागीदारी दिखाई है

भारत में विदेशी सैलानियों की संख्या में इजाफा

देश में हर 10 में एक व्यक्ति को इस क्षेत्र में रोजगार मिल रहा

नयी दिल्ली, 29 सितंबर. भारत में विदेशी सैलानियों की सं या कहीं अधिक तेजी से बढ़ रही है और वैश्विक अनुपात के अनुरूप देश में हर 10 में एक व्यक्ति को इस क्षेत्र में रोजगार मिल रहा है.

पर्यटन मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2024-25 में देश में विदेशी सैलानियों की संख्या 8.89 प्रतिशत बढ़कर 2024 में 205.7 लाख पर पहुंच गयी. वहीं, 2019 से 2024 तक देश में विदेशी सैलानियों की सं या में 14.85 प्रतिशत की इजाफा हुआ है. इन पांच वर्षों में वैश्विक स्तर पर

सैलानियों की सं या 0.07 प्रतिशत घट गयी. यूरोप में महज 1.59 प्रतिशत की वृद्धि हुई. एशिया प्रशांत क्षेत्र (भारत सहित) में 12.32 प्रतिशत की गिरावट देखी गयी. अमेरिका महादेश में इसमें 1.23 फीसदी की गिरावट देखी गयी. उत्तरी अमेरिका में पर्यटकों की संख्या में पांच साल में 4.43 प्रतिशत की कमी आयी है.

समाचार विशेष

वंजारी देंगे भाजपा को चुनौती

कांग्रेस ने चुना अपना उम्मीदवार, अब होगा सियासी बवाल

नागपुर. बीते स्नातक निर्वाचन क्षेत्र चुनाव में भाजपा को पटकनी देने वाले कांग्रेस उम्मीदवार अभिजीत वंजारी आगामी चुनाव में भी बीजेपी को चुनौती देंगे. कांग्रेस शहर अध्यक्ष विकास ठाकरे की अध्यक्षता में हुई शहर कांग्रेस कमेटी की बैठक में वंजारी को फिर उम्मीदवारी देने के प्रस्ताव का सभी ने समर्थन दिया है.

2 दिन पूर्व भाजपा प्रदेशाध्यक्ष रवीन्द्र चव्हाण ने पूर्व विदर्भ स्तरीय बैठक लेकर अपने पदाधिकारियों को चुनाव तैयारी में जुटने और अधिक से अधिक मतदाता पंजीयन करने की अपील की थी. उसके ठीक दूसरे ही दिन कांग्रेस ने देवड़िया भवन में स्नातक निर्वाचन क्षेत्र चुनाव के संदर्भ में पदाधिकारियों की बैठक ली और भाजपा को दोबारा पटकनी देने की रणनीति तैयार की. इसके साथ ही यह भी स्पष्ट हो गया है कि वंजारी कांग्रेस के उम्मीदवार होंगे. स्नातक चुनाव के लिए मुख्य कार्यालय का उद्घाटन भी किया गया. यह भी बताया कि प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में ब्लाक निहाय चुनाव कार्यालय खोले जाएंगे. बैठक में उमाकांत अग्निहोत्री, अतुल कोटेचा, गिरीश पांडव, संदेश सिंगलकर, हैदर अली दोसानी, प्रशांत धवड़, संजय महाकालकर, दिनेश बानाबाकोडे, रमेश पुणेकर, मिलिंद दुपारे, प्रवीण आगरे, नैश नुसरत अली, युगल विदावत, स्नेहा निकोसे सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी उपस्थित थे.

मनपा चुनाव की तैयारी में जुटें : ठाकरे

शहर अध्यक्ष विकास ठाकरे ने सभी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं को मनपा चुनाव को देखते हुए प्रभाग व वार्ड निहाय बूथ मजबूत करने की अपील की. उन्होंने कहा कि इच्छुक उम्मीदवार प्रभाव व बूथ स्तरीय टीम तैयार करें.

रणनीति तैयार, पत्ते नहीं खोल सकता : वंजारी

विधान परिषद सदस्य वंजारी ने कहा कि चुनाव की तैयारी जोरों पर शुरू है. बीजेपी को दोबारा हराने के लिए पुख्ता रणनीति तैयार है. चूंकि यह रणनीतिक चुनाव है, इसलिए सारे पत्ते अभी नहीं खोल सकता. उन्होंने कहा कि शहरी व ग्रामीण भागों में अधिक से अधिक स्नातक मतदाता पंजीयन के लिए कार्यकर्ताओं से अपील की है. हमारे किए गए कार्य और सघन जनसंपर्क हमारी ताकत को मजबूत करते हैं. निश्चित ही हम सफल होंगे.

बीटीसी चुनावों में बीपीएफ की बड़ी जीत

गुवाहाटी. असम के बोडोलैंड टेरिटोरियल काउंसिल (बीटीसी) के चुनाव परिणामों में इस बार बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट ने शानदार वापसी की है. बीपीएफ ने 40 में से 28 सीटों पर जीत दर्ज करते हुए स्पष्ट बहुमत हासिल किया है.

इसके साथ ही पार्टी ने प्रदेश की राजनीति में अपनी मज़बूत पकड़ एक बार फिर साबित कर दी. वहीं, बीजेपी जिसने इस बार 30 सीटों पर उम्मीदवार उतारे थे, केवल 5 सीटों पर ही जीत दर्ज कर सकी. यूनाइटेड पीपुल्स पार्टी-लिबरल, जो पिछली परिषद में बीजेपी के साथ सत्ता में थी, उसे केवल 7 सीटों पर संतोष करना पड़ा. इस तरह स्पष्ट है कि बीपीएफ ने दोनों क्षेत्रीय दलों को पीछे छोड़ते हुए प्रचंड बहुमत हासिल किया है.

गौरतलब है कि बीपीएफ और यूपीपीएल दोनों ने ही 40 की 40 सीटों पर उम्मीदवार उतारे थे. 2020 के चुनाव में बीपीएफ सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी थी, लेकिन उसके पास केवल 17 सीटें थीं. उस समय बीजेपी-यूपीपीएल गठबंधन ने गाना सुरक्षा पार्टी के समर्थन से सत्ता पर कब्ज़ा कर लिया था. उस दौरान कांग्रेस का एकमात्र सदस्य भी बीजेपी में शामिल हो गया था.

कांग्रेस चाहती है प्रचार की कमान संभालना

85 साल के बाद कांग्रेस की कार्य समिति पटना में हुई

पटना. जिस तरह बिहार में भारतीय जनता पार्टी ने जनता दल यू को किनारे कर एनडीए की ड्राइविंग सीट हथिया ली है उसी तरह विपक्ष के महागठबंधन में कांग्रेस कोशिश में लगी है.

कांग्रेस नेताओं के लगातार दौरे हो रहे हैं. कांग्रेस के राहुल गांधी ने बिहार में दो हफ्ते तक वोटर अधिकार यात्रा की. उसके बाद पटना के गांधी मैदान से एक सितंबर को मार्च निकाला. फिर राहुल गांधी 24 सितंबर को पूरी पार्टी लेकर पटना पहुंच गए. पटना में कांग्रेस के प्रदेश मुख्यालय में कार्य समिति यानी सीडब्लुसी की बैठक हुई. इस बात का हल्ला बना कि 85 साल के बाद कांग्रेस की कार्य समिति पटना में हुई है. इसके दो दिन बाद 26 सितंबर को कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा बिहार पहुंचीं और मोतिहारी में एक बड़ी सभा को संबोधित किया. इस तरह कांग्रेस ने बिहार में बिना जमीनी आधार के पूरा जलवा बनाया है.

> कांग्रेस के नेता अब खुल कर कहने लगे हैं कि महागठबंधन के प्रचार की कमान कांग्रेस के हाथ में होनी चाहिए. इस रणनीति के तहत कांग्रेस के नेता बिहार विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री पद का दावेदार नहीं घोषित कर रहे हैं. उनका कहना है कि जैसे ही नीतीश बनाम तेजस्वी का मुद्दा बनेगा वैसे ही नीतीश कुमार जीत जाएंगे. कांग्रेस समझा रही है कि तेजस्वी के ऊपर राजद के शासन के बैगेज है, जंगल राज का मुद्दा है और खुद उनके ऊपर भी आपराधिक मुकदमा चल रहा है.

विशेष | **दशहरा-दिवाली पर टिकी मनसे-शिवसैनिकों की नजर, होगा बड़ा धमाका!**

फिर उलझन में फंसे ठाकरे बंधु

मंबई. 'एकजुट होंगे, तालियां बजाएंगे'- पिछले कुछ महीनों से चल रही ठाकरे बंधुओं की लंबी खिंचती एकता की चर्चाओं पर अब फिर से मनसे और शिवसैनिकों की नजरें टिकी हुई हैं. फिलहाल 2 अक्टूबर को दशहरा मेले की चर्चा है लेकिन दोनों दल स्वतंत्र राजनीतिक दल होने के कारण अपने-अपने मेले आयोजित करेंगे.

हालांकि दिवाली के बाद राजनीतिक 'पटाखे' फूटेंगे, ऐसी उम्मीद दोनों दलों के सैनिकों ने मन ही मन लगा रखी है. नागपुर से भी इस 'मन-मिलन' पर नजरें हैं और दावा किया जा रहा है कि दिवाली तक बड़ा धमाका होगा.

राज्य में इस समय अतिवृष्टि का कहर है. साथ ही स्थानीय स्वराज संस्थाओं के चुनाव की चर्चा भी चल रही है. किसानों की मदद के नाम पर सभी राजनीतिक दल सक्रिय दिख रहे हैं, ताकि चुनाव में इसका अप्रत्यक्ष राजनीतिक लाभ मिल सके. लेकिन मुंबई में ठाकरे बंधुओं के संभावित एकीकरण पर सबकी निगाहें हैं.

दोनों एक हो गए तो मुंबई महानगरपालिका में बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है, यह आकलन महायुति और महाविकास आघाड़ी के घटक दल भी कर रहे हैं. दशहरा मेला शिवसेना की पहचान माना जाता है और उद्धव ठाकरे गुट इसकी जोरदार तैयारी कर रहा है.

गुढ़ीपाड़वा पर सबकी नजरें

वहीं मनसे का पारंपरिक आयोजन गुढ़ीपाड़वा मेला होता है. ऐसे में राज ठाकरे इस दशहरा मेले में आएंगे या नहीं, इस पर सबकी नजरें हैं लेकिन संकेत यही हैं कि वे नहीं आएंगे और शिवसेना को उसका उत्सव व विचार रखने देंगे. राजनीतिक हलकों में कहा जा रहा है कि दशहरा बीतने के बाद ही घटनाक्रमों को गति मिलेगी. शिवसेना के महासचिव हेमंत गडकरी ने भी स्पष्ट कहा है कि दशहरा मेले में दोनों भाई एक मंच पर नहीं आएंगे.